56 करोड़ से अधिक लोग डिजिटल सेवाएं ले रहे : रविशंकर

संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद का कहना है कि डिजिटल इंडिया कार्यक्रम से आम लोगों की सहूलियतें बढ़ रही हैं और लोग सशक्त हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि किस तरह से दुबई में नौकरी करने वाले बेटे से स्कॉइप पर बात करने के लिए दक्षिण भारत की एक महिला श्रमिका सतम्मा डिजिटल रूप से साक्षर हुईं। संचार क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर प्रसाद से 'हिन्दुस्तान' के ब्यूरो चीफ मदन जैड़ा की बातचीत :

बातचीत

बतौर संचार मंत्री दो साल पूरे करने जा रहे हैं, क्या बड़े कार्य हुए हैं?

पहला बड़ा कार्य यह हुआ है कि संचार मंत्रालय बिचौलियों से मुक्त हो गया है। स्पेक्ट्रम की नीलामी प्रक्रिया पारदर्शी बनाई। स्पेक्ट्रम की उपलब्धता के लिए नीतिगत फैसले लिए। स्पेक्ट्रम शेयरिंग एवं ट्रेडिंग को मंजूरी दी है। वर्चुअल मोबाइल नेटवर्क को मंजूरी दी है। इस्तेमाल नहीं हो रहे स्पेक्ट्रमों को रक्षा मंत्रालय से वापस लिया जा रहा है। इन उपायों से संचार क्षेत्र का दायरा बढ़ा है। इसलिए आज देश में सौ करोड़ से ज्यादा मोबाइल और 40 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं।

लेकिन दूरदराज के गांवों में आज भी इंटरनेट की पहुंच नहीं है?

बहुत जल्द सभी 2.50 लाख पंचायतों में ब्रॉडबैंड की पहुंच होगी। 41 हजार पंचायतों तक हम पहुंच चुके हैं। पिछले दो सालों में 1.49 लाख किलोमीटर ऑप्टिकल पाइप डाली जा चुकी है तथा 1.11 लाख किलोमीटर में ऑप्टिकल फाइबर डाला जा चुका है। इसे तेजी से किया जा रहा है।

कॉल ड्राप सुधारने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

सरकार ने इस मुद्दे पर दूरसंचार सेवा देने वाली कंपनियों पर जबरदस्त दबाव बनाया हुआ है। अब तक 90 हजार बीटीएस टॉवर लगाए जा चुके हैं। पांच हजार बीटीएस टॉवर दिल्ली में लगे। बीएसएनएल ने 23 हजार टॉवर लगाए। राज्यों को कहा गया है कि वे सरकारी भवनों में टॉवर लगाने की अनुमति प्रदान करें। रेडिएशन की डर से लोग टॉवर लगाने नहीं दे रहे हैं। हमने आईआईटी के अध्ययन के जरिये रडिएशन को लेकर भ्रम को भी दूर करने की कोशिश की है। स्थिति पहले से बेहतर हुई है।

डिजिटल इंडिया अभियान से आम लोग कितने लाभान्वित हुए हैं?

आज 14.8 लाख पेंशनर डिजिटल स्वरूप में जीवित होने का प्रमाण सरकार को भेजते हैं जबकि पहले इन लोगों को स्वयं बैंक के सामने उपस्थित होना पड़ता था। दूसरे, फोन सेट में पैनिकल बटन लगेगा। तीसरे, एक महिला सतम्मा डिजिटल रूप से इसलिए साक्षरता सीखती है क्योंकि वह अपने दुबई में रह रहे बेटे से स्कॉइन पर बात करती है। ये उदाहरण हैं। सेवाएं डिजिटल होती जा रही हैं तथा उनके उपयोगकर्ता बढ़ते जा रहे हैं। इसके लिए एक सिस्टम ई ताल विकसित किया गया है। जैसे ही कोई डिजिटल सर्विस लेने के लिए क्लिक करता है तो उसका रिकॉर्ड ई ताल में दर्ज हो जाता है। 2013 में 20 करोड़ लोग ई सर्विस ले रहे थे लेकिन 2015 के अंत तक यह संख्या 56 करोड़ पार कर गई है।

संचार क्षेत्र में निवेश कितना बढ़ रहा है?

मेक इन इंडिया के तहत बड़े पैमाने पर मोबाइल फोन बनाने वाली कंपनियों ने भारत में अपनी इकाइयां स्थापित की हैं। पिछले साल 11 करोड़ मोबाइल देश में बने थे। एप्पल भी भारत में कारखाना लगाने की इच्छुक है। आने वाले समय में देश स्मार्टफोन निर्माण का हब बन सकता है। एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में यह कहा गया है कि 2020 तक भारत में एक अरब स्मार्टफोन होंगे। इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफेक्चरिंग में 1.21 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं।